



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

1110

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 410] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 25, 1984/भाद्र 3, 1906
No. 410] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 25, 1984/BHADRA 3, 1906

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1984

का. आ. 640(अ).—भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 28(अ), तारीख 20 जनवरी, 1984 में अन्तर्विष्ट विषय पर न्यायनिर्णयन करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 97(अ), तारीख 14 फरवरी, 1984 द्वारा, गठित विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण ने, जिसमें श्री टी. सी. दास, गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, हैं अपना कार्य पूरा कर लिया है;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करने हुए, यह निदेश देती है कि उक्त अधिष्ठाता को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अस्तित्व में नहीं रह जाएगा।

[सं. 13/17/83-एन.ई.-11]

आर. वासुदेवन, संपूर्ण सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th August, 1984

S.O. 640(E).—Whereas the “Unlawful Activities (Prevention) Tribunal”, consisting of Shri Justice T. C. Das, Judge of the Gauhati High Court, constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 97(E) dated the 14th February, 1984, to adjudicate upon the matter contained in the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. 28(E) dated the 20th January, 1984 has completed its work;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 of Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby directs that the said Tribunal shall cease to exist with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[File No. 13/17/83-NE.I]

R. VASUDEVAN, Jt. Secy.